731

SA-06

June - Examination 2017

B.A. Pt. III Examination

वेद उपनिषद् तथा भारतीय दर्शन

Paper - SA-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) अग्नि सूक्त के देवता, छन्द एवं ऋषि का नाम लिखिए?

(ii) सज्ञान सूक्त ऋग्वेद के किस मण्डल से है?

(iii) मन एवं प्राण किसमें समाहित है?

(iv) शिवसंकल्प सूक्त यजुर्वेद के किस अध्याय में है?

(v) कठोपनिषद् में कुल कितनी वल्लीयाँ है? प्रत्येक का नाम लिखिए।

(vi) कठोपनिषद् में शरीर रूपी रथ के हय अर्थात् घोड़े किन्हें कहा गया है?

(vii) योग दर्शन के अनुसार ईश्वर का वाचक किसे कहा गया है?

(viii) औलूक्य दर्शन किसे कहा गया है?

(ix) प्रतीत्यसमुत्पाद किस दर्शन का सिध्दान्त है?

(x) ''ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या'' यह किन आचार्य का कथन है?

Section - B $4 \times 10 = 40$

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 10 marks.

(खण्ड – ब)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

(अ) समानी व: आकूति: समाना हृदयानि व:।
समानमस्तु वो मनो यथा व: सुसहासति।।

(ब) स्वर्गे लोके न भयं किञ्चनास्ति, न तत्र त्वं न जरया बिभेति।
उभे तीर्त्वा शनायापीपासे शोकातिगो मोदते स्वर्गलोके।।

3) पुरुष सूक्त के महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए।

4) निम्न में से किसी एक पर टिप्पणी कीजिए :–

(अ) देवात्मवाद।

(ब) अपवर्ग

5) कठोपनिषद् के आधार पर यम द्वारा नचितकेता को दिये गये वर–त्रय (तीन वर) का परिचय दीजिए।

6) योग दर्शन में ईश्वर के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

7) वैदिक दार्शनिक सूक्तों की विषय वस्तु पर प्रकाश डालिए।

8) अद्वैत वेदान्त में मोक्ष के स्वरूप को स्पष्ठ कीजिए।

9) काल अथवा राष्ट्राभिवर्धनम् सूक्त का सारांश लिखिए।

Section - C $2 \times 20 = 40$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 20 marks.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप को अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) भारतीय दर्शन में आत्मतत्त्व के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

11) शिवसंकल्प सूक्त के आधार पर मन के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

12) भारतीय दर्शन में ईश्वर की क्या महत्ता है? विभिन्न दार्शनिक सम्प्रदायों में ईश्वर का तुलनात्मक विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

13) कार्यकारणवाद किसे कहा जाता है? भारतीय दर्शन में कार्यकारणवाद का वर्णन कीजिए।